पाठ-योजना

अध्यापिका/अध्यापक :

पुस्तक : उड़ान हिंदी पाठमाला भाग-8

विषय : हिंदी **दिनांक** : .....

उपविषय : कलिंग विजय, पाठ-13 **अवधि** : 3-4 वादन

पाठ संख्या	सुनना, बोलना और पढ़ना	चिंतन	लिखना	गतिविधियाँ	जीवन मूल्य तथा पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना
13.	मौखिक अभिव्यक्ति, चर्चा, शुद्ध उच्चारण, प्रश्नोत्तर, लेखक के विचार समझकर बताना।	चरित्र-चित्रण, चिंतनात्मक पठन, प्रतिक्रिया, आशय, प्रत्यास्मरण, संदेश।	किसने, किससे कहा?, वाच्य, विशेषण, विशेष्य और तुलनात्मक शब्द, उपसर्ग, गद्यांश पर आधारित, अति लघु, लघु तथा निबंधात्मक प्रश्न।	संवाद, ऐतिहासिक जानकारी, अतिरिक्त पठन, राष्ट्रीय चिह्न की जानकारी, चित्र बनाना, एकांकी का मंचन।	अहिंसा, त्याग, प्रेम।

सामान्य उद्देश्य :

1. छात्रों में शुद्ध वाचन तथा पढ़ने-लिखने के कौशल का विकास करना।
2. अपने विचारों को सही प्रकार से प्रकट करने का ज्ञान व अभ्यास कराना।
3. वर्तनी संबंधी अशुद्धियों को दूर करने का प्रयास करना।
4. छात्रों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।
5. प्रश्नों के उत्तर को भली-भाँति लिखने का अभ्यास कराना।

विशिष्ट उद्देश्य :

1. इस पाठ के माध्यम से भारतीय वीरांगना द्वारा हिंसा के मार्ग पर चलकर विजय के लिए लालायित अशोक के हृदय को अहिंसा, प्रेम, दया और सेवा भाव की ओर ले जाने का उल्लेख करना तथा बच्चों को बताना कि वर्तमान जगत भी हिंसा के मार्ग पर दौड़ रहा है, ऐसे माहौल में इसी प्रकार के हृदय परिवर्तन की आवश्यकता है।
2. वाच्य तथा उसके भेदों की परिभाषा से अवगत कराना तथा वाक्यों में आए उचित वाच्य की पहचान कराना, तुलनात्मक शब्दों का ज्ञान कराना तथा 'परि' और 'अति' उपसर्ग के प्रयोग से नए शब्द बनवाना।

सहायक सामग्री : श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट आदि।

पूर्वज्ञान-परीक्षा : अध्यापिका/अध्यापक छात्रों की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए छात्रों से पूछेंगे कि सम्राट अशोक को आप जानते हैं? सम्राट अशोक कौन थे, कैसे थे? क्या हमें हिंसा के मार्ग पर चलने वालों के हृदय परिवर्तन करना चाहिए, क्यों? आदि।

उद्देश्य-कथन : अध्यापिका/अध्यापक प्रश्नों के उत्तर संतोषजनक या असंतोषजनक पाकर अपने उद्देश्य की घोषणा करेंगे कि बच्चो, आज हम 'कलिंग विजय' पाठ-13 का अध्ययन करेंगे।

शिक्षण-बिंदु : 'कलिंग विजय' पाठ-13 के प्रश्नों के उत्तर छात्रों की सहायता लेते हुए कराए जाएँगे।

अध्यापिका/अध्यापक क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
प्र.1. उपेंद्र के अंतिम शब्द क्या थे?	उ. चंडाशोक, एक दिन तुम अपने शत्रुओं के ही दास बनोगे।
प्र.2. अशोक क्या सुनकर फूले न समाए?	उ. अशोक गायिका का गीत सुनकर फूले न समाए।

प्र.3. गायिका किसको और किससे ज़्यादा दयापात्र बताती है?	उ. गायिका अशोक को भिखारी से भी ज़्यादा दया पात्र बताती है।

पाठ पढ़ाने के पश्चात–

मौखिक : सर्वप्रथम अध्यापिका/अध्यापक कठिन शब्दों का उच्चारण कराएँगे तथा पाठ से संबंधित मौखिक प्रश्न पूछेंगे।

जैसे– प्र. यदि आप अशोक के स्थान पर होते तो गायिका के साथ कैसा व्यवहार करते और क्यों?

उ. बच्चे अपनी समझ के अनुसार उत्तर देंगे।

इसी प्रकार से सभी प्रश्नों को मौखिक रूप में पूछेंगे।

कॉरडोवा सी.डी. (CD) के माध्यम से मूलपाठ सहित पाठ को दर्शाएँगे।

लिखित : प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लिखित रूप में करवाने से पहले मौखिक रूप में पूछेंगे। तत्पश्चात लिखवाएँगे।

1. किसने, किससे कहा? वाले वाक्यों को भली–भाँति पढ़वाएँगे। तत्पश्चात उचित उत्तर में सही (✓) का निशान लगवाएँगे।
2. वाच्य तथा उसके भेदों की परिभाषा बताएँगे। तत्पश्चात वाक्यों में आए उचित वाच्य में सही (✓) का निशान लगवाएँगे।
3. विशेषण–विशेष्य को रेखांकित तथा तुलनात्मक शब्दों में गोला करवाएँगे।
4. 'परि' तथा 'अति' उपसर्ग के प्रयोग से नए शब्द बनवाएँगे।
5. **कॉरडोवा सी.डी. (CD)** के माध्यम से संकेत गद्यांश को दर्शाएँगे। तत्पश्चात प्रश्नों के उचित उत्तर में सही (✓) का निशान लगवाएँगे।
6. अति लघु, लघु तथा निबंधात्मक प्रश्नों को भली–भाँति समझाएँगे। तत्पश्चात सीमा रेखा के अंतर्गत प्रश्नों के उत्तर भली–भाँति लिखवाएँगे।

आओ अब कुछ बात करें : सम्राट अशोक से संबंधित विषय पर संवाद आगे बढ़वाएँगे।

परियोजना निर्माण : 'सम्राट अशोक का शस्त्र त्याग' नाटक पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। तथा आज आतंकवादियों द्वारा अकारण फैलाई जा रही हिंसा की समस्या का समाधान खोजकर लिखने के लिए कहेंगे।

प्रस्तुत एकांकी का मंचन करने के लिए कहेंगे।

निष्कर्ष : बच्चों ने हिंसा से अहिंसा तथा क्रूरता से दया की ओर ले जाने वाले ऐतिहासिक प्रसंग को जाना।

वाच्य तथा उसके भेदों की परिभाषा से अवगत हुए तथा वाक्यों में उचित वाच्य की तथा तुलनात्मक शब्दों की पहचान हुई। उपसर्ग के प्रयोग से नए शब्द बनाने का अभ्यास हुआ।

कक्षा–कार्य निरीक्षण : अध्यापिका/अध्यापक कक्षा में छात्रों को लिखवाए गए प्रश्नों के उत्तर का निरीक्षण करेंगे तथा अशुद्धियों को ठीक कराएँगे।